

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज

मंगलवार 16 अप्रैल 2024

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेट

मेरे निर्णय देश के समव्यविकास के लिए: मोदी

भाजपा का घोषणापत्र पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं के साथ जुड़ा हुआ है:

नई दिल्ली

दुनिया के टॉप 10

सबसे व्यस्त हवाई अड्डों

में शामिल हुआ दिल्ली

एयरपोर्ट

गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई)

एयरपोर्ट ने एक और उपलब्धि

हासिल की है। दिल्ली एयरपोर्ट

2023 के लिए दुनिया के सबसे

10 व्यस्त हवाई अड्डों की सूची

में शामिल हुआ है।

एयरपोर्ट कार्यसिल इंटरनेशनल

(एसीआई) बर्ल्ड की ओर से

सोमवार को जारी सूची के

मुताबिक राजधानी दिल्ली की इंदिरा

गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा

दसवें पायदान पर है। सूची में

अमेरिका के अपने सोमवार की

उल्लंघन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा

सबसे ऊपर है जबकि दुर्बुल्हाँ और

डलास हवाई अड्डे क्रमशः दूसरे

और तीसरे स्थान पर हैं। इस सूची

में लंदन का हीथो एयरपोर्ट चौथे,

टोक्यो का होनडा हवाई अड्डा

पांचवें, डेन्वर का अंतरराष्ट्रीय

हवाई अड्डे, इंटरनेशनल

हवाई सातवें, लॉस एंजेलिस

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अठवें

और शिकागो का ओहारे

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा नौवें स्थान

पर है।

दिल्लीवासियों का कमल

पर गोट, केजरीवाल

सरकार के भ्रष्टाचार पर

होगी चोट: ओपी धनखड़

नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा

प्रदेश प्रभारी और प्रकाश धनखड़

ने सोमवार को पश्चिमी दिल्ली और

दक्षिण दिल्ली में लोकसभा क्षेत्र की

विस्तृत और चुनाव प्रबंधन समिति

की बैठक में भाजपा के संकल्प

400 पार को सोमवार के लिए

केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार पर

चार करने पर बल दिया। प्रदेश के

चुनाव प्रभारी धनखड़ ने कहा कि

देश में तुष्टीकरण की राजनीति का

अंत हो रहा है। भ्रष्ट राजनीति का

अंत हो रहा है। यह देश की राजनीति का

युग है। मोदी जी ने पिछले दस वर्षों

में यह काम करके दिखाया है। हर

वर्ष तक विकास का लाभ पहुंचाया

है। कश्मीर से धारा 370 खत्म की,

द्वारका एकसाथ वे जैसे रोड दिल्ली

की मिले, रिकॉर्ड ढांचामाल विकास

हुआ। महिला उत्थान के अनेक

कार्य हुए। देश की सीमाओं को

मजबूत किया। रामलला भव्य मंदिर

में विराजमान हुए।

कलकता हाईकोर्ट ने हवाड़ा में

जुलूस निकालने की दी अनुमति

कोलकाता

उच्च न्यायालय ने

सोमवार को हवाड़ा शहर में

गमनवारी पर जुलूस निकालने की

अनुमति दे दी है। कोर्ट ने शर्त

लगाई है कि आयोजन बिना की

तनाव के संपन्न हो। हालांकि,

अदालत ने यह अनुमति कई शर्तों

के साथ दी है। मोदी जी रिपोर्ट के

अनुसार, याचिकार्ताओं के आयोजन

शिव्यपुर आईआईएस के अस

हुगली नदी के तट पर स्थित

रामकृष्णपुर फेरी घाट तक

योग्याभास्त्रा निकालने की अनुमति

पर देने का अनुरोध किया था।

न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने विश्व

हिंदू परिषद की अनुमति

देते हुए कहा कि कोई भी उत्तरांक

नहीं लगाए जाए। रामते में

निर्धारित करने का निर्देश दिया कि

क्या उनके खिलाफ कार्रवाई करने

की आवश्यकता है। बता दें, मामले

की आगली सुविधा 23 अप्रैल को

संकेत हो सकते हैं। पांच

न्यायमूर्ति द्वारा दिया गया है।

जुलूस निकालने की दी अनुमति

कोलकाता

उच्च न्यायालय ने

सोमवार को हवाड़ा शहर में

गमनवारी पर जुलूस निकालने की

अनुमति दे दी है। कोर्ट ने शर्त

लगाई है कि आयोजन बिना की

तनाव के संपन्न हो। हालांकि,

अदालत ने यह अनुमति कई शर्तों

के साथ दी है। मोदी जी रिपोर्ट के

अनुसार, याचिकार्ताओं के आयोजन

शिव्यपुर आईआईएस के अस

हुगली नदी के तट पर स्थित

रामकृष्णपुर फेरी घाट तक

योग्याभास्त्रा निकालने की अनुमति

पर देने का अनुरोध किया था।

न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने विश्व

हिंदू परिषद की अनुमति

देते हुए कहा कि कोई भी उत्तरांक

नहीं लगाए जाए। रामते में

निर्धारित करने का निर्देश दिया कि

क्या उनके खिलाफ कार्रवाई करने

की आवश्यकता है। बता दें, मामले

की आगली सुविधा 23 अप्रैल को

संकेत हो सकते हैं। पांच

न्यायमूर्ति द्वारा दिया गया है।

जुलूस निकालने की दी अनुमति

कोलकाता

उच्च न्यायालय ने

सोमवार को हवाड़ा शहर में

गमनवारी पर जुलूस निकालने की

अनुमति दे दी है। कोर्ट ने शर्त

लगाई है कि आयोजन बिना की

तनाव के संपन्न हो। हालांकि,

अदालत ने यह अनुमति कई शर्तों

के साथ दी है। मोदी जी रिपोर्ट के

अनुसार, याचिक

विदेश संदेश

इजराइल पर ईरान के हमले की जी-7 देशों ने की निंदा, संयम रखने का किया आह्वान

लंदन। जी 17 देशों के नेताओं ने गविवार को इजराइल पर ईरान के भीषण हमले की निंदा की और "संयम" रखने का आह्वान किया। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चालर्स मिशेल ने ऑनलाइन बैठक के बाद एक्स पर लिखा, हमने सर्वसम्मति से इजराइल के खिलाफ ईरान के हमले की निंदा की। हँहम तनाव कम करने की दिशा में काम करने के अपने सभी प्रयास जारी रखेंगे। गाजा में संकट को यथाशङ्क्रम समाप्त करने से, विशेष रूप से तत्काल युद्धविराम के माध्यम से, फर्क पड़ेगा। नेताओं ने इजराइल के लिए अपना पूर्ण समर्थन की पेशकश करते हुए कहा कि वे "आगे अस्थिर करने वाली पहल" के जवाब में "आगे कदम उठाने" के लिए तैयार हैं।

बेठक के बाद इतालवा जा 7
प्रेसीडेंसी द्वारा प्रकाशित एक
वीडियो वाले बयान में कहा, हम
हालात को स्थिर करने और आगे
की स्थिति को बिगड़ने से रोकने के
लिए काम करना जारी रखेंगे। इस
भावना में, हम मांग करते हैं कि
ईरान और उसके प्रतिनिधि अपने
हमले बंद कर दें, और हम आगे

The image shows the G7 summit logo. On the left, the letters "G7" are displayed in a large, bold, blue font. To the right of the logo, the names of the seven member countries are listed vertically: CANADA, FRANCE, GERMANY, ITALY, JAPAN, UNITED KINGDOM, and UNITED STATES. Each country name is followed by its national flag on a small flagpole. The flags are arranged in a slightly staggered line, with the Canadian flag on the far left and the American flag on the far right.

और अस्थिर करने वाली पहलों
जबाब में अब और कदम उठाने
लिए तैयार हैं। इस बीच, ईरान
कट्टर दुश्मन इजराइल के खिलाफ़
रातोंरात मिसाइलों और हमले वा
ड़ोनों की एक अभूतपूर्व लहर शु
करने के बाद विश्व नेताओं
संयम बरतने का आग्रह किया, ऐ
समय में जब गाजा युद्ध ने मध्य पू

में तनाव बढ़ा दिया है। इजराइल सेना ने कहा कि इजराइल 3 उसके सहयोगियों ने आने वाले अधिकांश प्रोजेक्टाइल को रोका दिया, जिसमें 12 लोगों के घायब होने और किसी की मौत नहीं होनी की सूचना है, लेकिन हमले इजरायली जवाबी हमले वाले आशंकाओं को तेजी से बढ़ा दिया

इजराइल के शीर्ष सहयोगी संयुक्त राज्य अमेरिका ने भी सावधान और शांति का आग्रह किया। व्हाइट हाउस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद वे प्रवक्ता जॉन किर्बी ने बताया, "हम इसे आगे बढ़ते हुए नहीं देखना चाहते। हम ईरान के साथ व्यापक युद्ध की उमीद नहीं कर रहे हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल के

लिए अमेरिकी समर्थन की पुष्टि की, लेकिन अपने सहयोगी को अपने आम प्रतिदंडी ईरान के खिलाफ सैन्य प्रतिक्रिया से दूर रखने का मार्गदर्शन भी किया। तेहरान पर हमला करने से पहले, इजराइल की सेना ने ईरान को चेतावनी दी थी कि उसे "स्थिति को और अधिक बढ़ाने का विकल्प चुनने के परिणाम" भुगतने होंगे। नेतन्याहू रविवार को अपने युद्ध मंत्रिमंडल की बैठक कर रहे थे, जो कि फिलिस्तीनी आतंकवादी

जा कि फालत्साना आतकवाद
समूह हमास द्वारा 7 अक्टूबर के
हमले के कारण गाजा संघर्ष के
बीच आयोजित किया था।
रात भर, हवाई हमले के साथरन
बजते रहे और इजरायली नागरिक
बंकरों और आश्रयों में छिपने की
कोशिश करते रहे, क्योंकि मिसाइल
रक्षा प्रणालियों और लड़ाकू विमानों
ने रात के आसमान में ड्रॉन और
मिसाइलों को रोक दिया। ईरानी
राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने रविवार
को इजराइल को "लापरवाह"
जवाबी कार्रवाई के खिलाफ
चेतावनी दी कि इससे "निर्णायक
और बहुत मजबूत प्रतिक्रिया"
होगी।

लाहौर जेल में सरबजीत सिंह की हत्या करने वाले कैदी आमिर तनबा की गोली मारकर हत्या



हत्यारे आमिर तनबा की हत्या को भाड़े के हत्यारों द्वारा की गई "बदले की हत्या" के तौर पर देखा जा रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, गोली लगने से आमिर गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल ले जाने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों ने यह भी दावा किया कि आमिर को पिछले कुछ दिनों से जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं।

आमिर पर अपने साथी कैदी मुदासिर मुनीर के साथ अप्रैल 2013 में भारतीय कैदी सरबजीत सिंह पर हमला करने का आरोप

लगाया गया था। बताया गया कि दोनों कैदियों ने लाहौर की कोट लखपत जेल में यातनाएं देकर सरबजीत सिंह को मार डाला। लेकिन 15 दिसंबर 2013 को हत्या के सभी गवाहों के अपने बयान से मुकर जाने के बाद अदालत ने आमिर और मुनीर दोनों को बरी कर दिया, जिस कारण आरोपियों को रिहा कर दिया गया। लाहौर की कोट लखपत जेल के कैदियों आमिर और मुनीर ने सरबजीत पर हमला किया और उसे यातनाएं देकर मार डाला। कुंद वस्तुओं और ईंटों से की गई

यातना से सरबजीत के सिर पर गंभीर चोटें आईं। उन्हें लाहौर के जिन्ना अस्पताल लाया गया और कम से कम पांच दिनों तक गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में रखा गया। बाद में वरिष्ठ न्यूरोसर्जन के मेडिकल बोर्ड ने सरबजीत सिंह को 'मृत' घोषित कर दिया था। अन्य रिपोर्टों से यह भी संकेत मिलता है कि सरबजीत सिंह की कैदियों द्वारा यातना के पहले दिन ही जेल से अस्पताल ले जाते समय रासते में मौत हो गई और वास्तविक घटना पर पर्दा डालने के लिए मामले को और अधिक खींचा गया

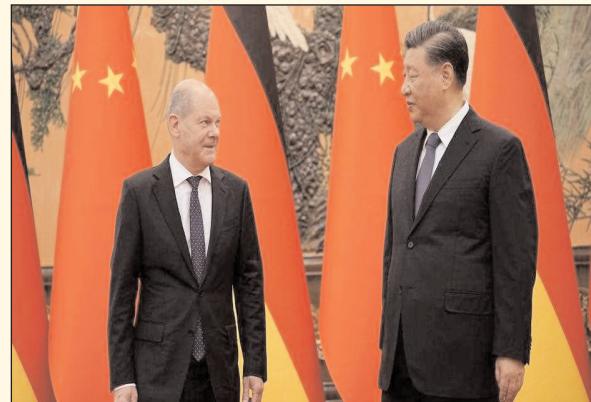
नेपाल के सहकारी घोटाला में गृहमंत्री के व्यापारिक पार्टनर सहित 27 के खिलाफ मुकदमा

काठमाडौं। नेपाल के चाचित सहकारी घोटाला में गृहमंत्री रवि लामिछाने की भूमिका की जांच की मार्ग के बीच उनके व्यापारिक साझेदार सहित 27 लोगों के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। गृहमंत्री की संदिग्ध भूमिका की वजह से सरकार को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो ने इस घोटाले में गृहमंत्री रवि लामिछाने के व्यापारिक पाटनर जीबी राई को मुख्य अभियुक्त बनाते हुए जिला अदालत रूपन्देही में मुकदमा दर्ज कराया है। रूपन्देही के एसपी रंजीत सिंह राठौड़ ने बताया कि जीबी राई के अलावा उनके सहकारी बैंक में काम करने वाले कर्मचारी और संचालक समिति के सदस्यों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इस घोटाला में पूर्व उपराष्ट्रपति एवं माओवादी नेता नन्दिकशोर पुन के बेटे दीपेश पुन का भी अभियुक्त बनाया गया है। एसपी राठौड़ के मुताबिक सहकारी के संस्थापक जीबी राई के अलावा वर्तमान अध्यक्ष औमप्रकाश गुरुंग को भी अभियुक्त बनाया गया है।

रवि लामिछाने इस सुप्रीम सहकारी के उपाध्यक्ष रह चुके हैं और उनके नाम से इस सहकारी बैंक से करीब ढेढ़ करोड़ रुपये का ऋण लिया है। आरोप है इस धन से रवि लामिछाने के लिए गैलेक्सी न्यूज चैनल खोला गया। सुप्रीम सहकारी बैंक के संस्थापक अध्यक्ष ही गैलेक्सी टीवी के भी अध्यक्ष थे और रवि लामिछाने इस चैनल के एमडी थे।

इंडोनेशिया के सुलावेसी में भूस्खलन से 14 ग्रामीणों की मौ



डीडब्ल्यू से बात करते हुए फेरेसी कहा, "सवाल यह है कि शॉल्ट्स ने समय चीन क्यों जा रहे हैं। मेरे ख्वासे से जर्मनी यह समझने की कोशिश कर रहा है कि अपनी ही तय की प्रतिबद्धताएं कैसे पूरी की जाएं।" फिलिप ले कोर एशिया सोसायटी पॉलिसी इंस्टिट्यूट के 'सेंटर पर चाइन एनालिसिस' में चीन-यूरोप संबंधों के विशेषज्ञ हैं। वह कहते हैं कि खुद जर्मनी के भीतर इस पर बंटी हुई है कि चीन के साथ व्यापार जारी रखना चाहिए या नहीं। ले कोर कहते हैं कि यह विभाव जर्मनी की गठबंधन सरकार में

भी है। "व्यापारिक समझों के कम कम दो गुट हैं। इनमें से एक धड़ चाहता है कि चीन में और निवेश किया जाए, जबकि दूसरे को लगता है कि चीन प्रतिद्वंद्वी बनता जा रहा है।"

यूक्रेन और ताइवान पर क्या कहें शाल्ट्स ?

कारोबारी दुविधा के अलावा शॉल्ट्स पर भू-राजनीतिक मुद्दों को लेकर यूरोपीय संघ का दबाव है। जिनपिंग से मुलाकात में उहें यूक्रेन में जारी जंग के मद्देनजर रूसी वंश मशीन को मिल रहे चीन के समर्थन पर भी बात करनी होगी। साथ ही

जलडमरुपद्धय में अपनी सैन्य मौजूदी बढ़ाता जा रहा है। इससे पश्चिम चौकन्हा हो गया है। ले कोर को उम्मीद है कि शॉल्ट्स अपने चीन दौर पर ताइवान का मुद्दा उठाएंगे। वह कहते हैं, "यूरोप में ताइवान मुद्दे पर इन्हीं दिलचस्पी कभी नहीं देखी गई है। यहां तक कि खुद जर्मनी में भी, जो प्रांस और ब्रिटेन के मुकाबले ज्यादा कारोबारी मानसिकता वाला देश है।" पिछले साल जून में शॉल्ट्स की बर्लिन में चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात हुई थी। इसके बाद शॉल्ट्स ने जर्मन संसद को संबोधित करते हुए कहा था कि उन्होंने चीन को किसी इलाके को बलपूर्वक हथियाने के खिलाफ चेतावनी दी थी, खासकर ताइवान के खिलाफ। हालांकि, कथित तौर पर ली के साथ मुलाकात में उन्होंने इनी सख्त भाषा भी इस्तेमाल नहीं की थी, जितनी उन्होंने संसद में बताई। शॉल्ट्स के दौर को लेकर फेरेंसी डीडल्भ्यू से बातचीत में कहती हैं, "इस दौर से हम उम्मीद कर सकते हैं कि जर्मनी शायद उसी बात पर कायम रहेगा, जो उसने पहले कही है कि ताकत का इस्तेमाल बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है।

तांत्रियों और कारोबारी हितों साथेंगे".
पी ऐसे ही विचार रखते हैं। न हैं, "वे भू-राजनीति पर न के लिए इकट्ठे नहीं हो रहे हैं। राजनीति या कूटनीति पर भाषा की विश्वसनीयता हुई है।"
इलेक्ट्रिक कारों की जांच शीर्छी यूरोपीय संघ के साथ अपनी है। सबसे अहम तो यही है कि आयोग चीनी इलेक्ट्रिक और उन्हें मिलने वाली सब्सिडी की जांच कर रहा है।
का एलान पिछले साल में हुआ था। इससे यूरोपीय देशों को चीन के सस्ते बाहनों पर दंडात्मक टैरिफ़ लगा अवसर मिल सकता है, मकसद यूरोपीय संघ के लिए बचाव करना है।
संघ में चीन के राजदूत ने इस 'अनुचित' बताया। उन्होंने चीन सहयोग कर रहा था, म ऐसी परिस्थिति से बचना जहां दोनों पक्षों को एक-सिखिलाफ़ कारोबारी युक्तियां

भाड़े के सैनिकों से फायदा उठाता संयुक्त अरब अमीरात



100

नेपाली युवा
विज्ञापन से जुड़ी हर
है कि संयुक्त अरब अमेरिका

ज से सकेत मिलता
रात अगले साल के

© Dominika

कंपनी के प्रतिनिधियों ने कहा है कि विज्ञापन वास्तविक नहीं थे, प्रोजेक्ट रद्द हो गया था और और वो दरअसल भ्रामक सुचना थी। एमएमसी ने डीडब्ल्यू के सवालों पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

लेकिन जानकारों ने डीडब्ल्यू को बताया कि वे बहुत संभव हैं कि विदेशी जमीनों पर तैनाती के लिए एक अमीराती विशेष सेना का ऐसा प्रोजेक्ट- वास्तव में अस्तित्व में हो।

लदन के किंस कॉलेज में स्कूल ऑफ सिक्योरिटी स्टडीज के सीनियर लेक्चरर अद्वियास क्रिंग का कहना है कि इंटेलिजेंस ऑनलाइन के फ्रांसीसी सैन्य सेक्टर के साथ अच्छे संबंध हैं और इस लीक के जरिए वे बताना चाहते होंगे कि फ्रांस इस घटना से जल्दी क्रिंग के प्राविलिक फ्रांसीसी दमा बात से चिंतित होंगे कि यूरोप में ऊँची पगार वाली नौकरियां उनके सिक्योरिटी स्टाफ को लुधा ले जाएंगी। जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ फारेन सर्विस में प्रोफेसर और "द न्यू रूल्स ऑफ वॉर" किताब के लेखक सीन मैकफेट उनकी बात से सहमति जताते हुए कहते हैं, "यूरोप के इतिहास को देखते हुए लगता है कि यह काम वो करेगा ही। यूरोप में सैन्य शक्ति को आउटसोर्स करने की परंपरा है और वो 2011 से ये करता ही आ रहा है।" क्रिंग कहते हैं, "निश्चित रूप से इन दिनों जब 'मर्सिनरीज' शब्द सुनें में आता है, तो मुझे आमतौर पर रूस से ज्यादा संयुक्त अरब अमीरात का ख्याल आता है। अमीरात, गरीब और विकासशील दुनिया में भाड़े के सैनिकों से जुड़ी गतिविधि का एक आपने विकास या बन गया है।"